Patrika (Indore), 29th April 2025, Page – 02

विद्यार्थियों को तैयारी के लिए टिप्स

एजुकेशन अपडेट

कॉलेजों के पास अब सिर्फ प्लेन कोर्स

JEE एडवांस : 1500 रैंक आने पर ही आइआइटी इंदौर में मिल सकेगा प्रवेश

यूजी में स्पेशलाइजेशन खत्म... अब बीबीए, बीसीए भी AICTI के पास

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. जेईई मेंस सेशन-2 - 2025 के परिणाम जारी हो चुके हैं। अब विद्यार्थी आइआइटी और एनआइटी में प्रवेश के लिए जेईई एडवांस देंगे। जेईई एडवांस के अंक ही तय करेंगे कि उन्हें कौनसी आइआइटी या एनआइटी में प्रवेश मिलेगा। आइआइटी इंदौर में बीटेक और एमटेक प्रोग्राम के पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग अंक तय किए हैं, उन्हीं के आधार पर विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे। विद्यार्थियों को यह ध्यान रखना चाहिए, जिन पाठ्यक्रमों की डिमांड ज्यादा है, उनमें प्रवेश के लिए उन्हें न्यूनतम अंकों से कई ज्यादा अंक हासिल करने पड़ेंगे। 1-2 अंकों का अंतर भी प्रवेश से बाहर कर सकता है।

प्रवेश के लिए अंकों का गणित जानें

स्पेस साइंस एंड इंजीनियरिंग : प्रवेश के लिए जेईई एडवांस में 173 से ज्यादा अंक चाहिए, जिस पर 6362 रैंक चाहिए।

कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग : प्रवेश के लिए 220-250 अंक जरूरी, जो टॉप 1500 रैंक में मिलता है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग : प्रवेश के लिए 200-220 अंकों की जरूरत होती है, जिससे वे करीब 2500 रैंक में आ जाते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग : प्रवेश के लिए करीब 180-200 अंक चाहिए होते हैं, जो 5000 रैंक तक मिल जाते हैं।

सिविल इंजीनियरिंग : प्रवेश के लिए करीब 150-170 अंक की जरूरत होती है और यह रैंकिंग 9000 के अंदर होनी चाहिए।

मैटेलर्जिकल इंजीनियरिंग: प्रवेश के लिए करीब 150-200 अंक चाहिए होते हैं, जो 10094 रैंक तक मिल जाते हैं।

1-2 अंकों का अंतर प्रवेश से कर सकता है बाहर

कटऑफ भी अलग

सामान्य वर्ग : न्यूनतम 25% अंक जरूरी।

ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग : न्यूनतम 22.5% अंक।

एससी, एसटी व पीडब्ल्यूडी वर्ग : न्यूनतम 17.5% अंक जरूरी।

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में बीबीए, बीसीए और पीजीडीसीए कोर्स अब अभा तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के दायरे में आ जाएंगे। यह फैसला नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू होगा, जिससे इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को लेकर पिछले एक साल से बना सस्पेंस खत्म हो गया है। पहले ये कोर्स उच्च शिक्षा विभाग के तहत संचालित हो रहे थे। नई शिक्षा नीति के तहत एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब यूजी स्तर पर स्पेशलाइजेशन मान्य नहीं होंगे। अब नए सत्र से कॉलेज सामान्य (प्लेन) कोर्स की फीस और सीटें तो बढ़ा सकेंगे, लेकिन स्पेशलाइजेशन के नाम पर ज्यादा फीस नहीं ले पाएंगे। इससे कॉलेजों को अब प्लेन कोर्स पर ही ध्यान देना होगा।

अब यह पड़ेगा असर

बीबीए और बीसीए जैसे कोर्स अब एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त होंगे। इसके अलावा, इन कोर्स में फिर से सेमेस्टर सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसे 2021 में खत्म कर दिया गया था। दिलचस्प बात यह है कि बीबीए और बीसीए अपनी शुरुआत से लगभग तीन दशक तक सेमेस्टर सिस्टम में ही चले थे। अब परीक्षा, परिणाम और सिलेबस भी एआईसीटीई के नियमों के अनुसार होंगे। डीएवीवी, एआईसीटीई की मान्यता के आधार पर कॉलेजों को संबद्धता देगा। हालांकि, आगे की प्रक्रिया क्या होगी, इस बारे में अभी पूरी जानकारी नहीं आई है। उम्मीद है कि एडमिशन की गाइडलाइन जारी होने के साथ ही यह स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। डीएवीवी ने पिछले साल ही कॉलेजों से एआईसीटीई से मान्यता लेने के लिए कहा था और कुछ कॉलेजों ने यह प्रक्रिया पूरी भी कर ली है।

दोनों फैसले महत्वपूर्ण

प्राचार्य मंच के अध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार झालानी ने इन दोनों फैसलों को महत्वपूर्ण बताया है। कहा, इन बदलावों का असर कॉलेजों के साथ छात्रों पर भी पड़ेगा, इसलिए प्राचार्य मंच जल्द बैठक बुलाकर इन सभी निर्णयों पर चर्चा करेगा और उसके बाद विश्वविद्यालय के साथ भी इस मुद्दे पर बात की जाएगी।